भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग
लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या- 215
06 अगस्त, 2024 को उत्तरार्थ

विषयः कृषि क्षेत्र में रोजगार के अवसर
***215 श्री मड्डीला गुरूमूर्ति:**
क्या **कृषि और किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार की ऐसी औद्योगिक नीति अथवा विनिर्माण कार्यनीति तैयार करने की कोई योजना है जिसमें कृषि जैसे प्राथमिक क्षेत्रों में, विशेषकर आन्ध्र प्रदेश जैसे राज्य में, रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए उच्च शिक्षण संस्थानों की भागीदारी शामिल हो;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार द्वारा कौशल संवर्धन कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षित अनुसंधानकर्ताओं को कृषि क्षेत्र की ओर आकर्षित करने के लिए की गई पहलों का ब्यौरा क्या है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनकी विशेषज्ञता कृषि क्षेत्र में विकास और प्रौद्योगिकीय प्रगति में सार्थन योगदान दे सके?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री शिवराज सिंह चौहान)

(क) से **(**ग)**:** एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

" कृषि क्षेत्र में रोजगार के अवसर" के संबंध में दिनांक 06.08.2024 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले तारांकित प्रश्न संख्या 215 के भाग (क) से (ग) के संबंध में उल्लिखित विवरण।

(क) से (ग): भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने राष्ट्रीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना (नेशनल एग्रीकल्चर हायर एजुकेशन प्रोजेक्ट- एनएएचईपी) (2018-2024) के तहत देश भर के 62 कृषि विश्वविद्यालयों (एयू) के विद्यार्थियों और संकायों को विभिन्न सुविधाएं प्रदान करके कृषि क्षेत्र में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने और रोजगार पैदा करने के लिए कई पहलों को कार्यान्वित किया है जिनमें आचार्य एन.जी. रंगा कृषि विश्वविद्यालय (एएनजीआरएयू), गुंटूर, आंध्र प्रदेश भी शामिल है।

एनएएचईपी ने 48 कृषि विश्वविद्यालयों के 2,701 विद्यार्थियों और 1,073 संकाय सदस्यों को अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण प्रदान किया है। उन्होंने कृषि और संबंधित क्षेत्रों में 831 उभरते क्षेत्रों को कवर करने के लिए 37 देशों में 179 शीर्ष विदेशी संस्थानों के साथ भागीदारी की जिससे प्रतिभागियों के बीच वैश्विक परिप्रेक्ष्य के संबंध में बेहतर समझ विकसित हुई और उनके उन्नत ज्ञान में वृद्धि हुई।

राष्ट्रीय स्तर पर, कृषि विश्वविद्यालयों ने विद्यार्थियों के बीच तकनीकी और इंटरपर्सनल स्किल्स दोनों को बढ़ाने के उद्देश्य से 12,000 से अधिक प्रशिक्षण आयोजित किए हैं। इन प्रशिक्षणों के फोकस क्षेत्रों में सटीक खेती, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) और कृषि में रोबोटिक्स, आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग (एआई/एमएल), उन्नत कृषि और बागवानी तकनीक, मूल्य संवर्धन तकनीक, हाइड्रोपोनिक्स और एरोपोनिक्स, सतत कृषि और पादप प्रजनन (प्लांट ब्रीडिंग) और जेनेटिक्स जैसे अत्याधुनिक विषय शामिल हैं।

इन पहलों ने विद्यार्थियों के तकनीकी कौशल और प्रबंधकीय क्षमताओं में बहुत सुधार किया है जिससे उन्हें उद्यमिता के लिए आवश्यक व्यावसायिक ज्ञान प्राप्त हुआ है। व्यावसायिक विश्लेषण, विदेशी भाषाओं, संचार कौशल और उपचारात्मक पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण ने उनके सीखने के अनुभव को बेहतर बनाया है। इन कार्यक्रमों ने विद्यार्थियों को उभरते कृषि क्षेत्र के लिए अच्छी तरह से तैयार किया है और मार्केट-रेडी बनाया है।

परियोजना अवधि के दौरान, उद्यमिता पर 3,700 अतिथि व्याख्यान आयोजित किए गए, 700 से अधिक संगठनों के साथ संपर्क स्थापित किए गए तथा विद्यार्थियों की वैज्ञानिक उद्यमिता और अनुसंधान कौशल को बढ़ावा देने के लिए लगभग 3,500 राष्ट्रीय प्रशिक्षण सत्र और सेमिनार आयोजित किए गए।

इसके अतिरिक्त, उभरते कृषि क्षेत्रों और कौशल संवर्धन पर 500 से अधिक पायलट कोर्स शुरू किए गए हैं।

कुल मिलाकर, नेशनल एग्रीकल्चर हायर एजुकेशन प्रोजेक्ट से लगभग 514,822 प्रतिभागी लाभान्वित हुए।

<u>आंध्र प्रदेश को 'नेशनल एग्रीकल्चर हायर एजुकेशन प्रोजेक्ट' से लाभ</u>

आंध्र प्रदेश के संदर्भ में, नेशनल एग्रीकल्चर हायर एजुकेशन प्रोजेक्ट (एनएएचईपी) ने आचार्य एन.जी. रंगा कृषि विश्वविद्यालय (एएनजीरएयू), गुंटूर के 140 विद्यार्थियों के लिए अमेरिका, फिनलैंड, मलेशिया, थाईलैंड, बांग्लादेश और ताइवान जैसे देशों में अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सुविधा प्रदान की है। इसके अतिरिक्त, 24 संकाय सदस्यों ने अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और थाईलैंड के प्रतिष्ठित संस्थानों में अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण में भाग भी लिया है।

गुंटूर के एएनजीआरएयू ने पर्सनैलिटी डेवलपमेंट कार्यक्रमों, अंग्रेजी और विदेशी भाषा की कक्षाओं, उद्यमिता कार्यक्रमों और ड्रोन, ब्लॉकचेन, आईओटी, रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी उन्नत तकनीकों में कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों के कौशल को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण संस्थानों के साथ भी सहयोग किया। परियोजना अवधि के दौरान, 81 कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनसे 9,724 विद्यार्थी लाभान्वित हुए।

इसके अलावा, एनएएचईपी के तहत 79 संकाय सदस्यों के लिए प्राकृतिक खेती पर दो राष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित किए गए हैं और प्रख्यात वैज्ञानिकों और प्रोफेसरों के साथ 85 कार्यशालाएं, वेबिनार, सेमिनार और व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की गई हैं जिससे विश्वविद्यालय के 30,334 प्रतिभागी लाभान्वित हुए हैं।

इस परियोजना से दो सेंट्रल इन्सट्रूमेशन फ़ैसिलिटी, सात स्मार्ट और वर्चुअल क्लासरूम, सात ऑर्गेनिक वेस्ट कंपोस्टर्स, पांच भाषा प्रयोगशालाएं और उन्नत पुस्तकालयों का निर्माण भी संभव हुआ जिससे एएनजीआरएयू के संकाय और विद्यार्थियों के लिए शिक्षण, सीखने और अनुसंधान के अनुभव में वृद्धि हुई।

कुल मिलाकर, इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास, कौशल-आधारित कार्यक्रम और अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण सहित एनएएचईपी गतिविधियों ने कृषि क्षेत्र में शैक्षणिक, अनुसंधान उत्कृष्टता और रोजगार सृजन में उल्लेखनीय सुधार किया है जिससे लाभार्थियों को दीर्घकालिक लाभ मिल रहा है और शिक्षित शोधकर्ता कृषि क्षेत्र की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

*****